मीना जनजाति का इतिहास

(प्रागैतिहासिक- आर्योत्तर भारत)

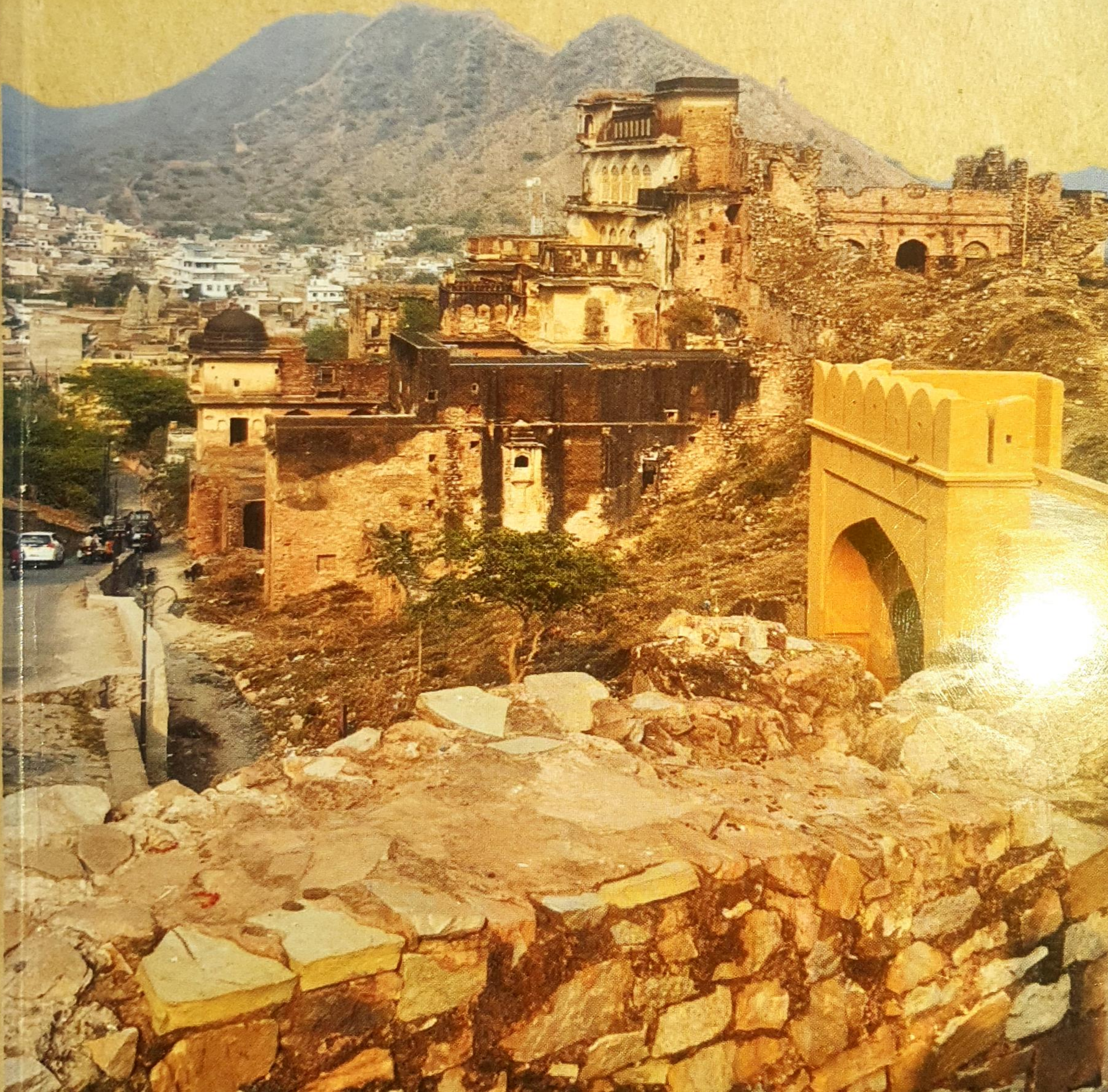

मीना जनजाति का इतिहास

(प्रागैतिहासिक- आर्योत्तर भारत)

शंकर लाल मीना
*
मोहरसिंह मीना

विषय सूची

प्रथम अध्यायः मीना जनजाति की उत्पत्तिः

प्रथम उप अध्यायः प्रागैतिहासिक, आद्यैतिहासिक व वैदिक कालः

1.मीना जनजाति की उत्पत्ति, पृष्ठ 16–24
2.प्रागैतिहासिक पुरा–पाषाणकाल, मध्य पाषाणकाल, उत्तर–पाषाणकाल, आद्यैतिहासिक काल संस्कृति, पृष्ठ 24–27
3.प्रागैतिहासिक–आद्यैतिहासिक–पुराविद् सिन्धु–घाटी की 'सैन्धव सभ्यता', पृष्ठ 28–57
4.सिन्धुघाटी सैन्धव सभ्यता का विस्तार क्षेत्र, पृष्ठ 58–60
5.सिन्धुघाटी की 'सैन्धव सभ्यता' की निर्माता प्रजाति, पृष्ठ 60–61
6.सैन्धव सभ्यता के दुर्ग एवं ऐतिहासिक संस्कृति, पृष्ठ 62–66
7.सिन्धुघाटी की 'सैन्धव सभ्यता' के समय–काल की गणना, पृष्ठ 66–75
8.मिन–मीन–मत्स्य, कच्छप व नाग प्रजाति के प्रतीक गणचिन्ह, पृष्ठ 75–76
9.प्रीवैदिक–वैदिक युग, त्रेतायुग व द्वापर कालीन आर्य और अनार्य प्रजाति का संघर्ष युग, पृष्ठ 76–85
10.आर्य प्रजाति का अनार्यावर्त में प्रसार, पृघ्ठ 85–92
11.'नर–नारी (मानव उत्पत्ति) की पौराणिक एवं वैदिक कथा एवं परिभाषायें, पृष्ठ 92–95
12.मीन–मीना–मत्स्य जनजाति की उत्पत्ति की पुराविद्, पौराणिक एवं ऐतिहासिक परिभाषाऐं, पृष्ठ 95–99
13.मीन–मीना–मत्स्य जनजाति की अनुवांशिक व शारीरिक संरचना, पृष्ठ 99–103
14.आर्य–अनार्य प्रजाति की नरमेघ, राजसूय यज्ञ, अश्वमेघ यज्ञ, पशुहवन,, गौहवन यज्ञादि प्रथायें,पृष्ठ 103–116
15.आर्य–अनार्य संघर्ष युग में, आर्य प्रजाति की सती प्रथा का अनार्य प्रजाति में प्रचलन, पृष्ठ 116–118
16.सभ्यताओं में प्रचलन में रही मिन, मीन, मीनान्, मीनगर, मैना व मिन्ना सम नाम शब्द संज्ञायें, पृष्ठ 118–121
17.आद्यैतिासिक–पुराविद् एवं ऐतिहासिक समय गणना के विभिन्न स्रोत, पृष्ठ 121–129
18.आर्योत्तर वैदिक संघर्ष युग, सामाजिक व जातीय वर्ण–वर्ग विभाजन की पौराणिक कथायें, पृष्ठ 129–130
19.त्रेता व द्वापर युगीन वर्ण व वर्ग विभाजन, पृष्ठ 131–133
20.सूर्य, चन्द्र राजवंश व ब्रह्म कुलों की उत्पत्ति की पौराणिक गाथायें, पृष्ठ 133–136
21आर्योत्तर संक्रमण–सम्मिश्रण काल, पृष्ठ 136–143

द्वितीय उप अध्यायः अनार्य अग्निघ्र–अग्निकुल मत्स्य व नाग राजवंशों का उद्‌गमः

1.अनार्य मत्स्य राजवंश का संक्षिप्त विवरण, पृष्ठ 143–152
2अनार्य .अग्निघ्र–अग्निकुल अहि–टाक–टक्क–नाग प्रजाति की राजवंश शाखायें, पृष्ठ 152–153
3.नागकुल अनार्य मारन–मारण राजवंश शाखा, पृष्ठ 153–155
4.अनार्यकुल नागमाता मनसा देवी, पृष्ठ 155
5.अग्निघ्र–अग्निकुल नाग परमार–पँवार, परिहार–पढ़ियार व चाहमान–चौहान राजवंश शाखा, पृ.155–156
6.अनार्य अग्निघ्र–अग्निकुल नाग पँवार–परमार राजवंश शाखा, पृष्ठ 156–164
7.अनार्य अग्निघ्र–अग्निकुल नाग परिहार–पढ़ियार राजवंश शाखा, पृष्ठ 164–167
8.अनार्य अग्निघ्र–अग्निकुल असुर–दानव–नाग चाहमान–चहुमान–चौहान राजवंश शाखा, पृष्ठ 167–177
9.अनार्य चौहान कुल की मौर्य–मोरी राजवंश शाखा, पृष्ठ 177–178
10.अनार्य चौहान कुल हाडा व भदौरिया राजवंश शाखा, पृष्ठ 178–180
11.अनार्य नागकुल कर्कोटक राजवंश शाखा, पृष्ठ 181
12.नागकुल की मेद राजवंश शाखा, पृष्ठ 181–182
13.नागकुल की मेंड–माण्ड राजवंश शाखा, पृष्ठ 182–183
14.सप्तसिन्ध–पंचनद की मादरा–मेद–मेड राजवंश शाखा, पृष्ठ 183
15.अनार्य नाग कुल शक राजवंश शाखा, पृष्ठ 183–184
16.अनार्य नागकुल शाखा में उतार–चढ़ाव, पृष्ठ 184–185
17.अनन्त नाग की पूजा व मीना क्षत्रियों का अणत त्योहार तथा नाग पंचमी पर नागों की पूजा, पृष्ठ 185

18.नाग कुल अधिष्ठाता माता मनसादेवी, पृष्ठ 186

19.मीना कुल आदिनाथ नागदेव, कांवटा–कांकरवाड़ कुल नाग देवता बूढ़ढदेव, ताजीकुल नागदेव, धणपालकुल नागतलाई नाग देव, पृष्ठ 186–187

20.मैनावती–मीनावती नाग कन्याओं की नाग मीना शाखायें, पृष्ठ 187

21.नागों को धारण करने वाले आदिदेव महादेव व नाग जनेऊ को धारण करने वाले शिव पुत्र गणेशजी, पृष्ठ 187

तृतीय उप अध्याय: अनार्य जनजातियों के प्रमुख–प्रमुख राजवंश:

1.कच्छ–काठियावाड़–सौराष्ट्र की मियाना–मियाँना–मियाँणा जनजाति, पृष्ठ 187–188

2.अनार्य कुल त्रीकुटका–त्रीक्‍कूटया राजवंश, पृष्ठ 188

3.अनार्य कुल सातवाहन, सातकरणी व कदम्ब राजवंश, पृष्ठ 188–189

4.अनार्यकुल पल्लव राजवंश शाखा, पृष्ठ 189

5.अनार्यकुल चालुक्य राजवंश, पृष्ठ 189

6.अनार्यकुल इक्ष्वाकु राजवंश, पृष्ठ 189

7.आम्बेर–आमेर के कछवाहा–कछावा राजवंश का अंधकारमय इतिहास पृ.190–204

8.अनार्य कुल गहड़वाड़, राठौड़ राजवंश शाखा, पृष्ठ 204–212

9.सौभूति–खोक्खर राजवंश, पृ.212–214

10.मनियागढ़ की अनार्य कुल चंदेल राजवंश शाखा, पृष्ठ 214–216

11.अनार्यकुल झाला, मकवाना, कौहली मीना राजवंश, पृष्ठ 216–219

12.अनार्य–कुल जेठवा राजवंश शाखा,पृष्ठ 219–220

13.वल्लभी की अनार्य नाग कुल 'मैत्रिक शक' राजवंश शाखा की गुहिल–गुहिलोत–गहलोत–सिसोदिया व बड़गूजर –सिकरवार–मढ़ाड़ राजवंश शाखा और मैत्रिक–मेर–मेहर मीना राजवंश शाखायें, पृष्ठ 220–252

चतुर्थ उप अध्याय: मीना जनजाति की परिभाषायें एवं सामाजिक व अनुवांशिक संरचना:

1.मीना जनजाति पर नव इतिहासविदों की विचार धारणायें, पृष्ठ 252–258

2.मीना जनजाति का ऑन लाइन इतिहास, पृष्ठ 258–260

3.मीना समाज की सामाजिक संरचना एवं गोत्र शाखायें, पृष्ठ 260–261

4.हिन्दू समाज की सामाजिक संरचना, पृष्ठ 261–264

5.प्रकाश पुँज गुरूनानकजी की गुरूबानी: पृष्ठ 264–265

6..'मीना' जनजाति की अनुवांशिक सौंदर्यता और आर्य–अनार्य प्रजाति के वैवाहिक सम्बन्ध, पृष्ठ 265–266

7.मीना जनजाति शाखाओं की रावत, रावल, राव–राव, पाल, सी व ठाकुर, धनी विरूद संज्ञायें, मीना राजकुमारियों की 'दे' विरूद संज्ञा, पृष्ठ 267–283

8.'मीना' जनजाति की कर्तव्य–निष्ठा व वफादारी, 283–285

पंचम उप अध्याय: जनजातियों का ह्रास–विनाश–त्रासदी काल व अन्य ऐतिहासिक स्रोत:

1.मीना जनजाति की वैभवता का ह्रास काल, पृष्ठ 285–286

2.राजपूत राजवंशों के मुगलों के साथ वैवाहिक संबंध और मीना जनजाति का पतन काल, पृष्ठ 286–288

3.ब्रिटिश औपनिवेशिक साम्राज्य और राजपूत रियासतों का सन्धि–काल व जनजातियों का विनाश एवं त्रासदी काल, पृष्ठ 288–302

4.वीर रस महाकाव्य 'पृथ्वीराज रासो', 'हम्मीरायण', 'हम्मीर रासो' व 'आल्हा–ऊदल रासो' में मीना वीरों की वीर गाथायें, पृष्ठ 302–310

5.समय–समय की भावनायें और भावनाओं में परिवर्तन के कुछ ऐतिहासिक उदाहरण, पृष्ठ 310–313

6.मीना शाखाओं की वैभवता व स्वायत्तता की ऐतिहासिक पहचान मीनाओं के किले व गढ़–गढ़ियाँ, पृष्ठ 313–314

द्वितीय अध्याय: मीना जनजाति का प्रसार:

1.मीना जनजाति का प्रसार, पृष्ठ 315–330
2.मीना जनजाति के मेवासे, पृष्ठ 330–334
3.प्रदेश पचवारा–चाकवारा अँचल, पृष्ठ 334–337,
4.प्रदेश ढूँढाड़ अँचल, पृष्ठ 337–341
5.प्रदेश मेवात–मीनावाटी अँचल,पृष्ठ 341–367
6.मत्स्य प्रदेश, व समस्त गणना की परिभाषायें, पृष्ठ 367–387
7.प्रदेश मेरवाड़ा अँचल, पृष्ठ 388–408
8.प्रदेश खैराड़ अँचल, पृष्ठ 408–414
9.प्रदेश हाड़ौती अँचल, पृष्ठ 414–428
10.प्रदेश मेवाड़, पृष्ठ 428–440
11.प्रदेश बागड़ पृष्ठ 440–443
12.प्रदेश जालौर, पृष्ठ 443–448
13.प्रदेश गोड़वाड़, 449–461
14.प्रदेश मारवाड़, पृष्ठ 461–477
15.प्रदेश शेखावाटी अँचल, पृष्ठ 477–494
16.प्रदेश पंजाब–हरियाणा–कश्मीर, पृष्ठ 494–503
17.सिन्ध–देश पाकिस्तान, पृष्ठ 503–511
18.लाट–प्रदेश गुजरात, पृष्ठ 511–527
19.प्रदेश महाराष्ट्र, पृष्ठ 527–534
20.आन्ध्र प्रदेश, पृष्ठ 534
21.प्रदेश उड़ीसा, पृष्ठ 534
22.मध्य प्रदेश, पृष्ठ 534–546
23.उत्तर प्रदेश, पृष्ठ 547–556

तृतीय अध्याय: मीना जनजाति की राजवंश शाखायें:

मीना जनजाति की प्राचीन मूल राजवंश शाखायें: अनार्य मत्स्य राजवंश:

1.'विराट नगरी मत्स्य', 'चेदी मत्स्य', 'क्रिवि मत्स्य', 'सरस्वत–कुरुक्षेत्र के बीच के मत्स्य गणराज्य' व भारतवर्ष
अन्य मत्स्य राजवंश शाखायें: पृष्ठ, 557–583
2.मैसूर व कालोर की मीना राजवंश शाखा, पृष्ठ 583

अनार्य अहि–नाग–तक्षक–टाक–मेद राजवंश शाखायें:

1.अनार्य अहि–नाग–तक्षक–टाक–मेद राजवंश शाखाओं का संक्षिप्त सार, पृष्ठ 584–588
2.चाकसू–चम्पावती की अनार्य पंवार राजवंश नाग शाखा, पृष्ठ 588–590
3.मेदपाट देश–मेवाड़, नागदा नगर की अनार्य मेद नाग राजवंश शाखा, पृष्ठ 590
4.नगर चौथ की अनार्य नाग राजवंश शाखा, पृष्ठ 590–591
5.सिन्ध–मकरान देश की अनार्य मेद–मेड नाग राजवंश शाखा, पृष्ठ 591–594
6.बीनपुर–रामगढ़ की अनार्य मेद–मेड राजवंश शाखा, पृष्ठ 594–595
7.बम्बावदा–ईंदूरा की अनार्य परिहार–पड़िहार नाग राजवंश शाखा, पृष्ठ 595–603
8.जम्बूद्वीप की 'भूतपुर' व 'रक्तपुर' की 'राव, धर, 'मन्दाल–मिन्हाल' मीना राजवंश शाखा पृष्ठ 603–605

अन्धकार युग की नागकुल राजवंश शाखायें:

1.दोआब की अहिच्छत्र, मथुरा, कौशाम्बी, पद्मावति–पद्मावती, विदिशा की नाग राजवंश शाखा, पृ. 605
2.अनार्य तक्षकशिला और नाग गणराज्य, पृष्ठ 607–610
3.शेखावाटी का चालकेतु व कश्मीर की अनार्य कर्कोटक नाग राजवंश शाखा, पृष्ठ 610–612

अग्निघ्र–अग्निकुल अनार्य पँवार राजवंश की नागकुल शाखायें:

1.मांडूगढ़ व मैगी की मांडल राजवंश शाखा, पृष्ठ 612–614
2.छापोल गढ़ की छापोला राजवंश शाखा, पृष्ठ 614–615
3.नवलगढ़ व धारा नगरी की पहड़वा राजवंश शाखा, पृष्ठ 615–616
4.जैणी–मानपुर की कोड़प राजवंश शाखा, पृष्ठ 616–617
5.भगवतगढ़ की अनार्य नागकुल ताजी राजवंश शाखा, पृष्ठ 617–619
6.धाधौला–धाधला की अनार्य नागकुल ताजी राजवंश शाखा, पृष्ठ 619
7.ओंडेरी की नाग कुल पाकड़ राजवंश शाखा, पृष्ठ 619–624

अनार्य कुल मारण व गुहिल–गुहीलोत–गहलोत–टादू राजवंश शाखा:

1.शोभनपुर की मारन–मारण राजवंश शाखा, पृष्ठ 624–628
2.गढ़ रणथम्भौर व गढ़ टटवाड़ा की टादू राजवंश शाखा, पृष्ठ 628–646

विलुप्त प्राचीन अनार्य राजवंश शाखायें:

1.नमक पहाड़ी, पीर–पंजाल की सौफाईटिस–सौभूति–खोक्खर राजवंश शाखा, पृष्ठ 646–653
2.अनार्य–कुल सांगल–संगल की कठ–काठी राजवंश शाखा, पृष्ठ 653–655
3.लाडनू–चंदेरी नगरी की डाहलिया–डडवास्या राजवंश शाखा, पृष्ठ 655–656
4.आरोर–आलोर की शेहरिश–सेवरिया–सेहरा–सेवरा राजवंश शाखा, पृष्ठ 656–661
5.द्रोणपुर–पाटन की सेवरा–सेवरिया राजवंश शाखा, पृष्ठ 661–662
6.सिन्ध देश–पंचनद की चन्ना राजवंश शाखा, पृष्ठ 662–663

ढूँढ़ाड़ भू–धरा की राजवंश शाखायें:

1.खोहगंग की चाँदा राजवंश शाखा, पृष्ठ 663–668
2.मांच नगरी की सीहरा राजवंश शाखा, पृष्ठ 669–676
3.अम्बेर–आमेर की सुसावत राजवंश शाखा, पृष्ठ 676–683
4.ढूँढ़ाड़ देश के राज्य व नगर राज्यों पर कछवाहा राजवंश का अधिकार, पृष्ठ 683–684
5.मीना क्षत्रियों के अहिंसात्मक सत्याग्रह, पृष्ठ 684–685
6.कछवा–कछवान राजवंश वंशावली की समीक्षा, पृष्ठ 685–695
7.गेटोर–झोंटवाड़ा की नांडला राजवंश शाखा, पृष्ठ 695–696
8.जामडोली गणराज्य, पृष्ठ 696
9.बिचलाणा–नायला की देवड़वाल राजवंश शाखा, पृष्ठ 696–697
10.नाहन नगरी की गोमलाडू राजवंश शाखा, पृष्ठ 697–702
11.बांसखोय की बांसखोया राजवंश शाखा, पृष्ठ 702–703
12.बैनाड़े की बेनाड़ा राजवंश शाखा पृष्ठ 703–704
13.कालीखोह के अदूरदर्शी चुहड़देव राजा, पृष्ठ 704
14.देवगिरी–दौसा व खंडेला की बैफलावत राजवंश शाखा, पृष्ठ 704–705

मत्स्य–मीनावाटी भू–धरा की राजवंश शाखायें:

1.क्यारा नगरी की मेवाल राजवंश शाखा, पृष्ठ 706–707
2.नरेठ की ब्याड़वाल राजवंश शाखा, पृष्ठ 707–708
3.ध्यावण नगरी की ध्यावणा राजवंश शाखा, पृष्ठ 708–709
4.झिरी की झरवाल राजवंश शाखा, पृष्ठ 710
5.अजानगढ़ के राय टोडरमल मेव और नरेठ के राय बादाराव, पृष्ठ –710–712
6.मांडारेज नगरी की मंडोरिया राजवंश शाखा व विराट नगरी की विराट राजवंश शाखा, पृष्ठ 713
7.देवेन्द नगरी की देवान्दा राजवंश शाखा, पृष्ठ 713
8.डोब की डोब–डोमवाल राजवंश शाखा पृष्ठ 714

ढूंढाड़–पछवारा देश की भड़ एवं बड़गोती राजवंश शाखायें:

1.बड़गोती राजवंश शाखा का आमागढ़ दुर्ग, पृ.714–715

2.बड़गोतीय राजवंश शाखा का हथरोई–दुर्ग, पृ.715

3.अजबगढ़–भानगढ़ की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 715–716

4.खण्डार, अमरपुर, आमानेर, मीनपुर व भड़गाँव की भड़ एवं बड़गोत्रीय राजवंश शाखा, पृष्ठ 716–717

देश हाडौती की राजवंश शाखायें:

1.बूँदी की उषारा राजवंश शाखा, पृष्ठ 717–733

2.खड़गपुर–गागरेण की गुगड़ी राजवंश शाखा, पृष्ठ 733–735

अग्निघ्र–अग्निकुल अनार्य चहुवान–चाहमान–चौहान राजवंश शाखा की मीनाकुल राजवंश उपशाखायें:,

अग्निकुल सांभर नगरी की चौहान राजवंश की बड़गोतीय–बागौरिया राजवंश शाखा का उद्गमः पृष्ठ 736–739

मारवाड़, बागड़, मेवाड़ व शेखावाटी की बड़गोती–बड़गोत्रीय राजवंश शाखायें:

1.मारवाड़ देश में मारूथान नगर की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 739–741

2.जैतलगढ़ की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 741

3.दूदलगढ़ की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 741–742

4.बोरदा की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 742

5.खेजड़ागढ़ की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 742

6.बणैठ–बनैठगढ़ की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 742

7.दल्लाखेड़ा की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 742

8.दीपूखेड़ा की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 742–743

9.मांडलगढ़ की बड़गोती राजवंश शाखा,पृष्ठ743

10.गढ़खोड़ गाँव की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 743

11.भोजगढ़ की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 743

12.सुहाणा गढ़ की बड़गोती राजवंश शाखा, पृ.743

13.मीनलदेश–मैनालदेश की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 743–744

14.बागड़देश की भांडेरिया नगरी की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 744–745,

15.बनी नगर की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 745

16.पाली की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 745–747

मीनदेश पाकिस्तान की बड़गोती–बड़गोतीय–बागौरिया राजवंश शाखायें:

1.मगथाणा की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 747,

2.देवगढ़ की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 747–748

3.मिथलापुरी की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 748

4.भीमगढ़ की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 748

5.गढ़ जारदा की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 749

6.गढ़ जाँगीपुर की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 749

7.मीनदेश कोटपूतली की बड़गोती राजवंश शाखा,पृ.749–750

8.गोटूखेड़ा की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 750

9.गांगठी की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 750

10.बीजापुर की बड़गोती राजवंश शाखा, पृष्ठ 750–751

11.थारूहेड़ा–धारूहेडा की बागोरिया बड़गोतीय–बड़गोत्रीय राजवंश शाखा, पृष्ठ 751

अग्निघ्र–अग्निकुल अनार्य चहुवान–चाहमान–चौहान कुल की बागड़ी राजवंश शाखायें:

1.बीकानेर–बागौर की बागड़ी राजवंश शाखा, पृष्ठ 751–752

2.बागौर नगरी की बागड़ी राजवंश शाखा, पृष्ठ 752
3.सोरठ–छापरा नगर की बागड़ी शाखा, पृष्ठ 752–753
4.अचरोल की बागड़ी राजवंश शाखा, पृष्ठ 752–753
5.द्रोणपुर–पाटन की बागड़ी राजवंश, शाखा, पृष्ठ 753
6.कोट–किरोड़ी की बागड़ी राजवंश शाखा, पृष्ठ 754
7.लाडनू–चंदेरी की बागड़ी शाखा, पृष्ठ 754
8.डोला का वास की बागड़ी राजवंश शाखा, पृष्ठ 754

अग्निध्र–अग्निकुल अनार्य चौहान राजकुल की मोरिया–मौर्य–मोरी–कुल्हाड़या–आमदवाड़ राजवंश शाखाः

1.मौर्य राजवंशः गढ़मोरा की मोरिय राजवंश शाखा, पृष्ठ 755
2.पाटलीपुत्र की मौर्य राजवंश शाखा तथा रेडनगरी की टकसाल पृष्ठ 755–762
3.चित्रांगदगढ़–चित्तौड़गढ़ की मौर्य–मोरी–कुल्हाड़या–आमदवाड़ राजवंश शाखा, पृष्ठ 762–770
4.मैनाक, तमलुक–ताम्रध्वज राजवंश, पृष्ठ 770
5.गढ़मोरा की मोरिया राजवंश शाखा का अश्वमेघ यज्ञ, पृष्ठ 771
6.गढ़ नागदा की मौर्य–मोरी राजवंश शाखा, पृष्ठ 771
7.दूदावर की मौर्य राजवंश शाखा, पृष्ठ 771–772
8.खड़गपुर व घगटाड़ा की मौर्य राजवंश शाखा, पृष्ठ 772
9.जैसलगढ़ की मौर्य राजवंश शाखा, पृष्ठ 772
10.पाटण–खैरालगढ़ की मौर्य राजवंश शाखा, पृष्ठ 773
11.माणकगढ़ की मौर्य–मोरी राजवंश शाखा, पृष्ठ 773

मीन देश पाकिस्तान की मौर्य राजवंश शाखायें:

1.मीनदेश बांसला–लाहौर की मौर्य शाखा, पृष्ठ 773
2.मीनदेश उम्मेदगंज–गढ़ गागढ़ा की मौर्य शाखा, पृष्ठ 774

मौर्य–मोरी राजवंश के अन्य ऐतिहासिक स्रोतः

1.बागड़–मारवाड़–सिन्ध देश की मौर्य शाखायें, पृ.774
2.चाम्बा की मौर्य राजवंश शाखा, पृष्ठ 775
3.नागपुर की मोरिया–मौर्य–मोरी राजवंश शाखा, पृष्ठ 775
4.मराठावाड़ा, खानदेश व कोंकण की मौर्य–मोरी राजवंश शाखा, पृष्ठ 776–777
5.विदर्भ की मौर्य–मोरी राजवंश शाखा, पृष्ठ 777,
6.मौर्य राजवंश की सती घटनायें व सती मातायें, 777–778

अनार्य अग्निध्र–अग्निकुल चौहान राजवंश की अन्य राजवंश शाखायें:

1.जौनपुर–जौनगढ़ व राजाखेड़ा–नारायणा की जोनवाल–जोरवाड़ राजवंश शाखा, पृष्ठ 778–788
2.मोरड़ा गढ़ी की सुसाड़या–सिसोड़िया–सुन्देड़ा–सुन्दरहेड़ा राजवंश शाखा, पृष्ठ 788–790
3.देवगढ़, चिलाचौंधगढ़ की दमाच्या–चुकड़ेला राजवंश शाखा, पृष्ठ 790–792
4.गढ़ राजाखेड़ा–नारायणा की चुकड़ेला–दमाच्या राजवंश शाखा, पृष्ठ 792–793
5.चिरावड़्या नगरी का चिरावड़्या राजवंश, पृष्ठ 793–794
6.लाकागढ़ का लकड़वाल राजवंश पृष्ठ 794
7.करेड़ी की लोदवाड़ राजवंश शाखा, पृष्ठ 794–795
8.सुमेरगढ़, गढ़ ककराड़ा की कांकरवाड़–उड़जवाड़–काँवट्या राजवंश शाखा, पृष्ठ 795–797
9.कोटपूतली की कोटवाड़–कोटवाड़्या राजवंश शाखा, पृष्ठ 797–799

मीना जनजाति की विलुप्त राजवंश शाखायें:

1.अथूण की चीता राजवंश शाखा, पृष्ठ 799–800

2.भीम दिवेर गढ़ की बरड़ रावत राजवंश शाखा, पृष्ठ 800
3.गढ़ ककैनी की ककैना राजवंश शाखा, पृष्ठ 800–801
4.जवाहरगढ़, सरमथुरा का बमनावत राजवंश, पृष्ठ 801–802
5.मीना बसई गढ़ की डूँगरावत राजवंश शाखा, पृष्ठ 802
6.इकलौतगढ़ की दूदावत राजवंशः पृष्ठ 802–803
7.महरदा व इन्दरगढ़ का धणावत राजवंश, पृष्ठ 803–804
8.लालसोट का लालसोट्या–राजलवाड़ राजवंश, पृ.804
9.घटवासिण का महर राजवंश शाखा, पृष्ठ 804–811
10.नाग कुल मांड्या राजवंश शाखा, पृष्ठ 811
10.मैनागढ़ की मैन शाखा, पृष्ठ 811–812

मीना क्षत्रिय कुल की प्रमुख शाखायें:

1.तंवर राजवंश की तंवर बालोत राजवंश, पृष्ठ 812–814
2.पाण्डु कुल की मरमट राजवंश, पृष्ठ 815–817
3.सरजोली की मांदड़ राजवंश शाखा, पृष्ठ 817
4.पंवार राजवंश की जारवाड़ शाखा पृष्ठ 817
5.यदु कुल की मीमरोट राजवंश, शाखा पृष्ठ 818–820
6.मुराड़्या राजवंश शाखा पृष्ठ 820–821
7.डोंगरजाल शाखा, पृष्ठ 821–822
8.सरमथुरा की रैकलौत चौधरी शाखा, पृष्ठ 821–822
9..घुणावत राजवंश शाखा, पृष्ठ 822
10.चरणावत–चन्दनावत शाखा पृष्ठ 823
11.नागकुल चौहान, शहर–सहरिया मीना शाखा, पृ. 824
12.पंवार राजवंश की मोटिस राजवंश, पृ. 824–825
13.अग्निकुल की मण्डावत, सोक्खड़–खोकड–खोखड़, खोलवाड़, लखमण्या, जारेड़ा राजवंश, शाखा पृ.8
14.गौठ–सिकरौड़ी कीगौठवाल–वारवाड़ शाखा, पृष्ठ 829–830
15.अग्निकुल माणतवाल शाखा पृष्ठ 830–831
16..गुर्जर मीणा शाखा, पृष्ठ 831
17.डडवास्या–डाहलिया मीना राजवंश शाखा, 831
18.कोहली–कोली मीना शाखा पृष्ठ 831

चतुर्थ अध्यायः मीना जनजाति का संघर्ष कालः

1.सल्तनत काल, पृष्ठ 832–836
2.मुगल बादशाहत काल,पृष्ठ 836–838
3.मराठा काल,पृष्ठ 838–839
4.ब्रिटिश औपनिवेशिक साम्राज्य काल, पृष्ठ 839–845

पंचम अध्यायः

मीना राजवंशों की बची जागीरियाँ, पृष्ठ 846–847

षष्ठम अध्यायः

वीरोत्तम वीर भील जनजाति का औपनिवेशिक संघर्ष कालः पृष्ठ 848–857

सप्तम अध्यायः

ऐतिहासिक प्रमाण एवं जागा–भाट बहीपोथी संपुष्टि संकलन खंडः पृष्ठ 858–871

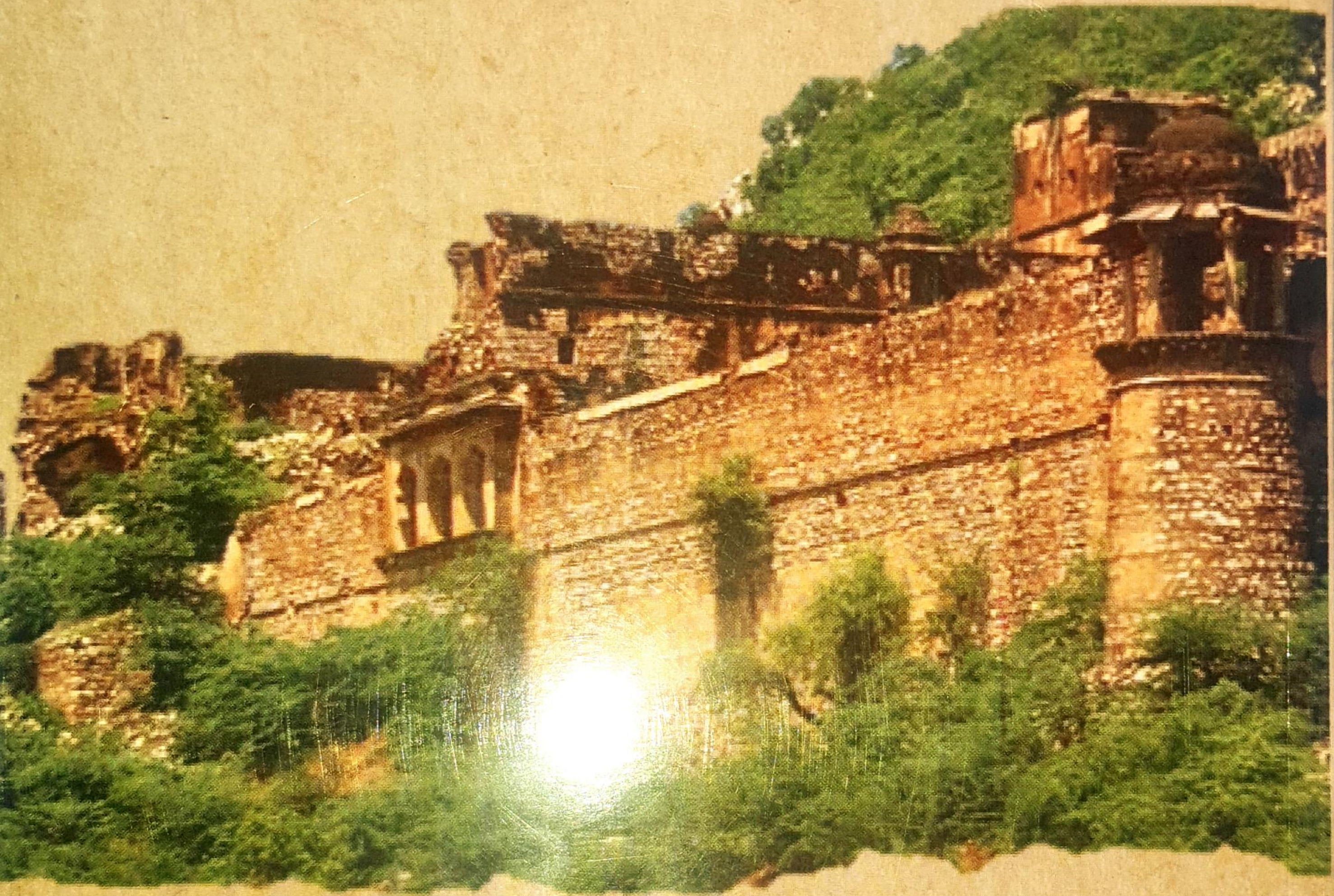

लिट्रेरी सर्किल

सी-13, प्रथम तल, खण्डेलवाल गर्ल्स कॉलेज, संसार चन्द्र रोड
जयपुर - 302001, 96606-60333, 94140-5330
Email : literarycirclejpr@yahoo.com

ISBN 934899724-6
9 789348 997241